SPONGE GOURD- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Sponge Gourd seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Sponge Gourd seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Sponge Gourd seeds provide excellent germination & better vigour with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Sponge Gourd Hybrid	Gagan, Vinay	Vinay (KGP)
Duration	90-100 DAS	100-110 DAS
Kharif	yes	yes
Rabi	yes	yes
Spring	yes	yes
Source of Irrigation	Borewell	Borewell

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/ Agro-climatic zone	A long warm period with day 30-35^{0}C temp .18-22^{0}C night temp is good for growth and fruit set. minimum temp should not be below 18^{0}C
2	Land. Soil	Well drained sandy loams and alluvial soils. Soil Ph 5.5 to 6.5 is ideal.
3	Season, Sowing/planting time	Oct-Nov in south and central India. Jan-Feb-June-July in Maharashtra .April –May in hilly areas
4	Seed rate	1.5-2.0 kg/ acre
5	Sowing/planting method	Canal method/ by staking method
6	Preparation of Main field and planting	Apply 10 tonnes of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. * Form sowing canals * Apply basal dose of fertilizers in sowing canals and cover the fertilizer * Irrigate the field two day prior to sowing. * Dibble two seed per hill, immediately give light irrigation for quick and better Germination
7	Spacing	Row to Row(canal) 240-300cm; Plant to plant: 45cm-ground.150 cm. between rows 30 cm between plants-staked with bamboo stakes and trailed vertically
8	Seed treatment before sowing	Seed is treated with Gaucho (Imido) 2 ml/kg
9	Manures and Fertilizers	* Basal dose before sowing : 30:40:40 Kg NPK * First top dressing 30 days after sowing: 30kg N * Second top dressing after first pick : 25 kg N
10	Irrigation schedule	Irrigate the field depending on soil type. Light and frequent irrigation once in 5-6 days interval is ideal. Ensure sufficient moisture at root zone especially during flowering fruit stage.
11	Weeding/ intercultivation	Two hand weeding is required. Keep plots free of weed. Earthing up at 30 and 60 days after sowing. Vine guiding is a crucial aspect
12	Micronutrient/growth regulator sprays	Spray multiplex 1g/litre during fruiting stage Micronutrient 1g/litre during flowering period
13	Pest and Disease control	Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter) Downy mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Leaf miner: Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre), Red pumpkin beetle: Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/litre) Thrips / Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) Fusarium Wilt: Drench with Carbendazim (1gm/litre) Fruit fly: Use pheromone traps. Delta mithrin 1ml/litre
14	Harvest	Fruits ready for harvest 50-55 days after sowing. Harvest tender fruits once in 3-4 days.
15	Expected yield	Yields 5-6 t/Acre from a well managed crop under ideal conditions.
17	Storage	
18	Don't Do	don't use Sulfur based chemicals.
19	Do's	
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

घीया तुरई की खेती के तरीके

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार की घीया तुरई की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे की घीया तुरई के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के घीया तुरई के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता होती है।
बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड घीया तुरई	हाइब्रिड. गगन, विनय (इप.)	विनय, विनय (केजीपी)										
अवधि	90-100 DAS	100-110 DAS										
खरीफ	हाँ	हाँ										
रबी	हाँ	हाँ										
वसंत	हाँ	हाँ										
सिंचाई का स्रोत	बोरवेल	बोरवेल										

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	30–35^{0}C दिन और 18–22^{0}C रात के तापमान वाला लंबे समय तक गर्म मौसम पौधों की वृद्धि और फलन के लिए अनुकूल होता है। न्यूनतम तापमान 18^{0}C से कम नहीं होना चाहिए
2	भूमि। मिट्टी	अच्छी जल निकासी वाली रेत-युक्त दोमट और तलछट मिट्टी। आदर्श मिट्टी का pH 5.5–6.5 होना चाहिए।
3	मौसम, बुवाई/रोपाई का समय	दक्षिण और मध्य भारत के लिए अक्टूबर-नवंबर। महाराष्ट्र में जनवरी–फरवरी और जून–जुलाई, पहाड़ी क्षेत्रों में अप्रैल–मई
4	बीज दर	1.5-2.0 किग्रा/ एकड़
5	बुवाई/रोपाई का तरीका	नहर के माध्यम से / खंभे लगाकर
6	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	गोबर की 10 टन सड़ी हुई खाद डालें और जुताई करें, ताकि यह मिट्टी में मिल जाए। * बीज बोने के लिए नाली बनाएँ * बुवाई चैनलों में आधार खुराक के रूप में उर्वरक डालें और मिट्टी से ढक दें * बीज बोने से दो दिन पहले खेत में पानी दें। * हर मेड़ पर दो बीज बोएँ और तुरंत थोड़ा पानी से सिंचाई करें, जिससे बीज तेज़ी से अंकुरित हों
7	पौधों के बीच दूरी	पंक्ति से पंक्ति (कनाल) 240–300 सेमी; प्रत्येक पौधे की दूरी 45 सेमी – जमीन पर, पंक्तियों के बीच 150 सेमी; पौधों के बीच 30 सेमी – बांस के डंडे से सहारा देकर ऊपर की ओर चढ़ाएँ।
8	बुआई से पहले बीज उपचार	Gaucho (Imido) 2 मिली/किग्रा से बीज का उपचार करें
9	जैविक और रासायनिक उर्वरक	* बीज बोने से पहले आधार खुराक: 30:40:40 किग्रा NPK * बुवाई के 30 दिन बाद पहली टॉप ड्रेसिंग: 30 किग्रा नाइट्रोजन * पहली फसल कटाई के बाद दूसरी टॉप ड्रेसिंग: 25 किग्रा नाइट्रोजन
10	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी के प्रकार के अनुसार खेत की सिंचाई करें। 5–6 दिन के अंतराल पर हल्की और नियमित सिंचाई करना उत्तम है। फूल आने और फल लगने के समय जड़ों के आसपास पर्याप्त नमी सुनिश्चित करें।
11	खरपतवार नियंत्रण और अंतर-फसल खेती	दो बार हाथ से खरपतवार निकालना जरूरी है। खेत में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें। 30 और 60 दिन के बाद पौधों के आसपास मिट्टी भरें। बेल को सही दिशा में बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है
12	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	फलों के विकास के दौरान 1 ग्राम/लीटर मल्टीप्लेक्स का छिड़काव करें और फूल लगने के समय 1 ग्राम/लीटर पोषक तत्वों का छिड़काव करें
13	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	पाउडरी मिल्ड्यू : टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) डाउनि मिल्ड्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (प्रति लीटर 0.5–1 ग्राम) पत्ती खाने वाले कीट: एवामेक्टिन 1.8% EC (0.5–1 मिली/लीटर), रेड पंपकिन बीटल: डेल्टामैथ्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) थ्रिप्स और एफिड: फ्लोनिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) फ़्यूज़ेरियम वील्ट: कार्बेन्डाज़िम (1 ग्राम/लीटर) से मिट्टी का उपचार करें फ्रूट फ्लाई: फेरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें। 1 मिली/लीटर दर से डेल्टामैथ्रिन का छिड़काव करें खेत में रोग और कीट नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।
14	फसल काटना	बुवाई के 50–55 दिन बाद फल तोड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं। कोमल फलों को 3–4 दिन के अंतराल पर तोड़ें।
15	अनुमानित उपज	आदर्श परिस्थितियों और अच्छी देखभाल वाली फसल से 5–6 टन/एकड़ उपज मिलती है।
17	भंडारण	
18	क्या न करें	सल्फर से बने रसायनों का उपयोग मना है।
19	क्या करें	
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

ગલકું - ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ ગલકાના બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ક્રિસ્ટલને ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા ગલકાના બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો સારો અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ક્રિસ્ટલ ગલકાના બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

ગલકાનું હાઇબ્રિડ	હાઇબ્રિડ. ગગન, વિનય (ઇપ.)	વિનય,વિનય (હેજીપી)											
સમયગાળો	90-100 DAS	100-110 DAS											
ખરીફ	હા	હા											
રાબી	હા	હા											
વસંત	હા	હા											
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	બોરવેલ	બોરવેલ											

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	દિવસનું તાપમાન 30-36 ડિગ્રી સેલ્સિયસ. 18-22 ડિગ્રી સેલ્સિયસ રાત્રિનું તાપમાન સાથે લાંબો ગરમ સમયગાળો વૃદ્ધિ અને ફળના સેટિંગ માટે સારો છે. લઘુત્તમ તાપમાન 180 ડિગ્રી સેલ્સિયસથી ઓછું ન હોવું જોઈએ.
2	જમીન. માટી	સારા પાણીના નિકાલવાળી રેતાળ લોમ અને કાંપવાળી જમીન. માટીનું Ph 5.5 થી 6.5 આદર્શ છે.
3	ઋતુ, વાવણી/વાવેતરનો સમય	દક્ષિણ અને મધ્ય ભારતમાં ઓક્ટોબર-નવેમ્બર. મહારાષ્ટ્રમાં જાન્યુઆરી-ફેબ્રુઆરી-જૂન-જુલાઈ. પર્વતીય વિસ્તારોમાં એપ્રિલ-મે
4	બીજ દર	1.5-2.0 કિગ્રા/એકર વાવેતર
5	વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ	નહેર પદ્ધતિ / સ્પેકિંગ પદ્ધતિ દ્વારા
6	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	10 ટન વિઘટિત છાણિયું ખાતર નાખો અને ત્યારબાદ જમીનમાં ભેળવીને કાપણી કરો. * વાવણી માટે નાળા બનાવો * વાવણી નહેરોમાં ખાતરનો મૂળ માત્રા આપો અને ખાતરને ઢાંકી દો. * વાવણીના બે દિવસ પહેલા ખેતરમાં પાણી આપો. * ઝડપી અને સારા અંકુરણ માટે દરેક ટેકરી પર બે બીજ ખોદીને તરત જ હળવું પાણી આપો.
7	અંતર	લાઈન થી લાઈન (નહેર) 240-300 સે.મી.; છોડથી છોડ: 45 સે.મી.-જમીન. લાઈનો વચ્ચે 150 સે.મી. છોડ વચ્ચે 30 સે.મી.-વાંસના દાંડાથી દાંડી લગાવેલા અને ઊભી રીતે પાછળ રાખેલા
8	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	બીજને ગૌચો (ઇમિડો) 2 મિલી/કિલોગ્રામથી માવજત કરવામાં આવે છે.
9	ખાતર અને ખાતરો	* વાવણી પહેલાં મૂળભૂત માત્રા: 30:40:40 કિગ્રા NPK * વાવણી પછી 30 દિવસ પછી પહેલું ટોપ ડ્રેસિંગ: 30 કિલો N * પ્રથમ ચૂંટણી પછી બીજું ટોપ ડ્રેસિંગ: 25 કિલો N
10	સિંચાઈ સમયપત્રક	જમીનના પ્રકાર પ્રમાણે ખેતરમાં સિંચાઈ કરો. 5-6 દિવસના અંતરાલમાં હળવું અને વારંવાર સિંચાઈ કરવી આદર્શ છે. ખાસ કરીને ફૂલોના ફળના તબક્કા દરમિયાન મૂળ વિસ્તારમાં પૂરતો ભેજ સુનિશ્ચિત કરો.
11	નીંદણ/આંતરખેતી	બે હાથે નીંદણ કાપવું જરૂરી છે. પ્લોટને નીંદણ મુક્ત રાખો. વાવણી પછી 30 અને 60 દિવસે માટી ખોદવી. દ્રાક્ષના વાવેતર માટે માર્ગદર્શન એક મહત્વપૂર્ણ પાસું છે.
12	સૂક્ષ્મ પોષકતત્ત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	ફળ આવવાના તબક્કા દરમિયાન મલ્ટિપ્લેક્સમાં 1 ગ્રામ/લિટર છંટકાવ કરો, ફૂલોના સમયગાળા દરમિયાન સૂક્ષ્મ પોષકતત્ત્વો 1 ગ્રામ/લિટર
13	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	પાવડરી ફૂગ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) તરછોડ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) પાન ખાણિયો: એબામેક્ટીન 1.8% EC (0.5 થી 1 મિલી/લિટર), લાલ કોળાની ભમરી: ડેલ્ટામેથ્રિન 5.56% SC સાથે (0.5 મિલી/લિટર) થ્રિપ્સ/મોલો મચ્છર: ફ્લોનીકામિડ 50% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર) ફ્યુઝેરિયમ વિલ્ટ: કાર્બેન્ડાઝીમ (1 ગ્રામ/લિટર) સાથે ભીંજવો ફળમાખી: ફેરોમોન ફાંસોનો ઉપયોગ કરો. ડેલ્ટા મિથ્રિન 1 મિલી/લિટર ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.
14	લણણી	વાવણી પછી ૫૦-૫૫ દિવસે ફળો લણણી માટે તૈયાર થાય છે. દર 3-4 દિવસે કોમળ ફળો કાપો.
15	અપેક્ષિત ઉપજ	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં સારી રીતે સંચાલિત પાકમાંથી 5-6 ટન/એકર ઉપજ મળે છે.
17	સંગ્રહ	
18	ના કરો	સલ્ફર આધારિત રસાયણોનો ઉપયોગ કરશો નહીં.
19	શું કરવું	
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

घोसाळे पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील सर्वोत्तम घोसाळे वियाण्यांपैकी एक वियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे घोसाळे वियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे वियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच वियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या घोसाळे वियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.
उकृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

घोसाळे हायब्रीड	हाइब्रिड. गगन, विनय (इंप.)	विनय, विनय (केजीपी)										
कालावधी	90-100 दिवसांनी	100-110 दिवसांनी										
खरीप	होय	होय										
रब्बी	होय	होय										
वसंत ऋतु	होय	होय										
सिंचनाचा स्रोत	बोअरवेल	बोअरवेल										

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती	कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन
1	क्षेत्राची योग्यता/कृषी-हवामान क्षेत्र	दिवसाचे तापमान 30-35^0 सेल्सिअस आणि रात्रीचे तापमान 18-22^0 सेल्सिअस असावे. वाढीसाठी आणि फळधारणेसाठी दिवसाचे तापमान चांगले असते. किमान तापमान 18^0 सेल्सिअसपेक्षा कमी नसावे.
2	जमीन. माती	चांगला निचरा होणारी वालुकामय चिकणमाती आणि गाळयुक्त माती. आदर्श मातीचा सामू (pH) 5.5 ते 6.5 आहे.
3	हंगाम, पेरणी/लागवडीचा वेळ	दक्षिण आणि मध्य भारतात ऑक्टोबर-नोव्हेंबर. महाराष्ट्रात जानेवारी-फेब्रुवारी-जून-जुलै. डोंगराळ भागात एप्रिल-मे
4	वियाण्याचा दर	1.5-2.0 किलो/एकर
5	पेरणी/लागवड पद्धत	कालवा पद्धत / पाटामधून पाणी
6	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	जमिनीमध्ये 10 टन कुजलेले शेणखत टाका आणि ते मिसळण्यासाठी नंतर विखरून टाका. पेरणीसाठी पाट तयार करा * पेरणीच्या कालव्यांमध्ये खतांचा मूलभूत डोस द्या आणि सगळीकडे खत नीट पसरूदे. * पेरणीपूर्वी दोन दिवस आधी शेताला पाणी द्या. * प्रत्येक सरीवर दोन विया टोचा, लवकर आणि चांगले अंकुर फुटायला लगेच थोडे पाणी द्या
7	अंतर	प्रत्येक वाफ्यामध्ये (पाट) 240-300 सेमी; रोप ते रोप: 45 सेमी-जमिनीवर. वाफ्यामधील 150 सेमी. बांबूच्या खांबांनी बांधलेल्या आणि उभ्या रोपांमध्ये 30 सेमी.
8	पेरणीपूर्वी वियाणांवर प्रक्रिया	वियाण्यावर गौचो (इमिडो) 2 मिली/किलो प्रक्रिया केली जाते.
9	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	* पेरणीपूर्वी मूलभूत डोस: 30:40:40 किलो एनपीके * पेरणीनंतर 30 दिवसांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 30 किलो नत्र * पहिल्या वेचणीनंतर दुसरे टॉप ड्रेसिंग: 25 किलो नत्र
10	पेरणीपूर्वी वियाणे प्रक्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 5-6 दिवसांच्या अंतराने थोडे आणि सतत पाणी देणे उत्तम. फळधारणेच्या अवस्थेत, मुळांच्या भागात पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करा.
11	तण काढणे/ आंतरमशागती	दोन हातांनी खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. पेरणीनंतर ३० आणि ६० दिवसांनी माती भरणे. पुष्पवेली मार्गदर्शन हा एक महत्त्वाचा पैलू आहे
12	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	फळधारणेच्या काळात मल्टीप्लेक्समध्ये 1 ग्रॅम/लिटर फवारणी करा. फुलाची कळी येण्याच्या काळात सूक्ष्म पोषक घटक 1 ग्रॅम/लिटर फवारणी करा.
13	कीटक आणि रोग नियंत्रण	भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) तंतू-भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) पाने खाणारी आळी: अबामेक्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर), तांबडा भुंगेरा: डेल्टामेथ्रिन 5.56% SC भा/आ (0.5 मिली/लिटर) फुलकिडे/मावा: फ्लोनिकामिड 50% भा/आ (0.5 ग्रॅम/लिटर) मर रोग: कार्बेन्डाझिम (1 ग्रॅम/लिटर) सह आंबवा फळमाशी: फेरोमोन सापळे वापरा. डेल्टा मिथ्रिन 1 मिली/लिटर <u>शेतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.</u>
14	कापणी	पेरणीनंतर 50-55 दिवसांनी फळे काढणीसाठी तयार होतात. दर 3-4 दिवसातून एकदा कोवळ्या लुसलुशीत फळांची काढणी करा.
15	अपेक्षित उत्पन्न	आदर्श परिस्थितीत चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकातून प्रति एकर 5-6 टन उत्पादन मिळते.
17	नाठवणूक	
18	करू नका	सल्फरयुक्त रसायनांचा वापर करू नका.
19	करा	
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.	
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. वियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.	

CRYSTAL Inspiring Growth | I&B Seeds INDUS SEEDS

ಹೀರೆಕಾಯಿ - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳ ಪ್ಯಾಕೇಜ್

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಹೀರೆಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಹೀರೆಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಗಟ್ಟಿಯಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್‌ನ ಹೀರೆಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ.
ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಹೀರೆಕಾಯಿ	**ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಗಗನ್, ವಿನಯ್ (ಇಂಪ್.)**	**ವಿನಯ್, ವಿನಯ್ (ಕೆಜಿಪಿ)**										
ಅವಧಿ	90-100 ದಿನಗಳು	100-110 ದಿನಗಳು										
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು										
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು										
ವಸಂತ	ಹೌದು	ಹೌದು										
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್										

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	**ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ**	**ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು**
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ದೀರ್ಘವಾದ ಬೆಚ್ಚಗಿನ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ, ದಿನದ ಉಷ್ಣಾಂಶ 30–35^{0}C ಮತ್ತು ರಾತ್ರಿಯ ಉಷ್ಣಾಂಶ 18–22^{0}C ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಫಲೋತ್ಪತ್ತಿಗೆ ಉತ್ತಮ. ಕನಿಷ್ಠ ಉಷ್ಣಾಂಶ 18^{0}C ಗಿಂತ ಕಡಿಮೆ ಇರಬಾರದು
2	ಭೂಮಿ. ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ಒಳಚರಂಡಿ ಹೊಂದಿದ ಮರಳು ಲೋಮಿ ಮತ್ತು ಮೆಕ್ಕಲು ಮಣ್ಣುಗಳು. ಮಣ್ಣಿನ Ph 5.5 ರಿಂದ 6.5 ಸೂಕ್ತವಾಗಿರುತ್ತದೆ.
3	ಋತು, ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಮಾಡುವ ಸಮಯ	ದಕ್ಷಿಣ ಮತ್ತು ಮಧ್ಯ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಅಕ್ಟೋಬರ್-ನವೆಂಬರ್. ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಜನವರಿ-ಫೆಬ್ರವರಿ-ಜೂನ್-ಜುಲೈ ತಿಂಗಳುಗಳಲ್ಲಿ. ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಏಪ್ರಿಲ್–ಮೇ ತಿಂಗಳುಗಳಲ್ಲಿ
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ	1.5–2.0 ಕೆ.ಜಿ./ಎಕರೆ
5	ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಮಾಡುವ ವಿಧಾನ	ಕಾಲುವೆ ವಿಧಾನ/ ಕಂಬದ ವಿಧಾನದಿಂದ
6	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	10 ಟನ್ FYM ಹಾಕಿ, ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡಲು ಹ್ಯಾರೋ ಬಳಸಿ. ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸಿ ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳಲ್ಲಿ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಮುಚ್ಚಿ ಬಿತ್ತನೆಯ ಎರಡು ದಿನ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಪ್ರತಿ ಗುಂಡಿಗೆ ಎರಡು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಊರಿ, ಶೀಘ್ರ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಗಾಗಿ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಿ
7	ಅಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ (ಕಾಲುವೆ): 240–300 ಸೆಂ.ಮೀ.; ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ: 45 ಸೆಂ.ಮೀ. ನೆಲದ ಮೇಲೆ. ಸಾಲುಗಳ ನಡುವೆ 150 ಸೆಂ.ಮೀ. ಮತ್ತು ಗಿಡಗಳ ನಡುವೆ 30 ಸೆಂ.ಮೀ. ಬಿದಿರಿನ ಕಡ್ಡಿಗಳ ಆಧಾರದೊಂದಿಗೆ ನೆಟ್ಟು ಲಂಬವಾಗಿ ಹಬ್ಬಿಸುವುದು
8	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಬೀಜಕ್ಕೆ ಗೌಚೊ (ಇಮಿಡೋ) 2 ಮಿ.ಲೀ./ಕೆ.ಜಿ. ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಬೀಜೋಪಚಾರ ಮಾಡಬೇಕು
9	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಮೊದಲ ಮೇಲ್ಗೊಬ್ಬರ ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ: 30kg N ಎರಡನೇ ಮೇಲ್ಗೊಬ್ಬರ ಮೊದಲ ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರ: 25 kg N
10	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ವಿಧವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರು ಹಾಯಿಸಿ. ಪ್ರತಿ 5–6 ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಹಗುರ ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ನೀರು ಹಾಯಿಸುವುದು ಸೂಕ್ತ. ಬೇರಿನ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಹೂಬಿಡುವ ಮತ್ತು ಕಾಯಿ ಕಟ್ಟುವ ಹಣ್ಣಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವಿರುವುದನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.
11	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ / ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ. ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ಮತ್ತು 60 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವುದು. ಬಳ್ಳಿಯನ್ನು ಹಬ್ಬಿಸುವುದು ಒಂದು ಪ್ರಮುಖ ಅಂಶವಾಗಿದೆ
12	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಹಣ್ಣಾಗುವ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಮಲ್ಟಿಪ್ಲೆಕ್ಸ್ 1g/ಲೀಟರ್ ಸಿಂಪಡಿಸಿ ಹೂಬಿಡುವ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶ 1g/ಲೀಟರ್
13	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಪುಡಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಎಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟ: ಅಬಾಮೆಕ್ಟಿನ್ 1.8% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್), ಕೆಂಪು ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಜೀರುಂಡೆ: ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 5.56% w/w SC (0.5 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್) ಥ್ರಿಪ್ಸ್/ಗಿಡಹೇನುಗಳು: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಫ್ಯೂಸೇರಿಯಮ್ ಬಾಡುವಿಕೆ: ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ (1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ನೊಂದಿಗೆ ನೆನೆಸಿ ಹಣ್ಣಿನ ನೊಣ: ಫೆರೋಮೋನ್ ಬಲೆಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ. ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
14	ಕೊಯ್ಲು	ಬಿತ್ತನೆಯ ನಂತರ 50-55 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಹಣ್ಣುಗಳು ಸುಗ್ಗಿಗೆ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತವೆ. ಪ್ರತಿ 3–4 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಮೃದುವಾದ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಕಟಾವು ಮಾಡಿ.
15	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಸೂಕ್ತ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಳೆಯಿಂದ 5-6 ಟನ್/ಎಕರೆ ಇಳುವರಿ.
17	ಶೇಖರಣೆ	
18	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಗಂಧಕ ಆಧಾರಿತ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಬಳಸಬೇಡಿ.
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	

నేతి బీరకాయలో- పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన నేతి బీరకాయ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన నేతి బీరకాయ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్ధేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ నేతి బీరకాయ విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.

అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ నేతి బీరకాయ	గగన్ , వినయ్	వినయ్ (KGP)										
కాలము పరిమితి	90-100 DAS	100-110 DAS										
ఖరీఫ్	అవును	అవును										
రబీ	అవును	అవును										
వసంత కాలము	అవును	అవును										
నీటి పారుదల వనరు	బోర్ బావి	బోర్ బావి										

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	ఎదుగుదలకి మరియు పళ్ళు ఏర్పడానికి పగలు 30-35^{0}C ఉష్ణోగ్రతను దీర్ఘమైన వెచ్చని కాలముగా రాత్రి 18-22^{0}C ఉష్ణోగ్రతను వుంచాలి. కనిష్ట ఉష్ణోగ్రత 18^{0}C కన్నా తక్కువ వుండకూడదు
2	భూమి. మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక లోమీ మరియు ఒండ్రు మట్టి నేలలు. మట్టి Ph 5.5 నుంచి 6.5 మధ్య అనుకూలము.
3	సీజన్, విత్తే/నాటే సమయము	దక్షిణ మరియు సెంట్రల్ భారతదేశములో అక్టోబర్-నవంబర్ లో. మహారాష్ట్రాలో జనవరి-ఫిబ్రవరి-జూన్-జులైలో. కొండ ప్రాంతాలలో ఏప్రిల్-మేలో
4	విత్తనము రేట్	ఎకరానికి/1.5-2.0 కిలోలు
5	విత్తే/నాటే పద్ధతి	కాలువ పద్ధతి/ స్టేకింగ్ పద్ధతి ద్వారా
6	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన ఎఫ్వైఎం 10 టన్నుల అప్లై చెయండి తరవాత దుక్కిదున్నడము ద్వారా అది మట్టిలో కలుస్తుంది. *నాటే కాలువలను ఏర్పాటు చేయండి *నాటే కాలువల్లో ఫర్టిలైజర్ల బేసల్ డోస్ అప్లై చేయండి మరియు ఫర్టిలైజరుని కవర్ చేయండి *విత్తడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీటిని పెట్టండి. *గుంటకి రెండు విత్తనాలు పెట్టండి, త్వరగా మరియు మెరుగుగా మొలకెత్తడము కోసం వెంటనే తేలికగా నీటిని పెట్టండి
7	ఖాళీ ఇవ్వడము	రో నుంచి రో (కాలువ) 240-300 cm; మొక్క నుంచి మొక్క 45cm-భూమికి. రో ల మధ్య 150 cm. మొక్కల రోలను 30 cm దూరములో వెదురు-స్టేక్ చేయాలి మరియు నిలువగా క్రెయిల్ చేయాలి
8	విత్తే ముందు విత్తనమును శుద్ధి చేయడము	విత్తనాలను గౌచో (ఇమిడో) కిలోకి/2 ml తో శుద్ధి చేయండి
9	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	*విత్తే ముందు బేసల్ డోస్: 30:40:40 కిలోల NPK *మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్ విత్తడము తరవాత 30 రోజులకి: 30 కిలోల N *రెండవ టాప్ డ్రెస్సింగ్ మొదటగా పిక్ చేసిన తరవాత: 25 కిలోల N
10	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మట్టి రకమును బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. 5-6 రోజుల వ్యవధిలో తేలికగా మరియు తరచుగా నీరు పెట్టడము అనుకూలము. పళ్ళు పూలు వేసే దశలో వేళ్ళ జోన్ లో సరిపడిన తేమ వుండేలా ధృవీకరించుకోండి.
11	కలుపు మొక్కలు తొలగించడము/అంతర్గత కల్టివేషన్	చేతితో కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ఫొట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి. విత్తిన 30 మరియు 60 రోజుల తరవాత మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టిని ఎత్తు చేయండి. తీగలకి దారి చూపించడము అనేది కీలకమైన అంశము
12	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	కాయలు వచ్చే దశలో మల్టిప్లెక్స్ లీటరు/1గ్రా పూలు వచ్చే దశలో సూక్ష్మపోషకము లీటరు/1గ్రా పిచికారి చేయండి
13	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	బూడిద తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) డౌనీ బూజు తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) ఆకు తొలుచు పురుగు: అబామెక్టిన్ 1.8% EC (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 ml), ఎర్ర గుమ్మడి పెంకు పురుగు: డెల్టామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (లీటరు/0.5 ml) తామర పురుగు/ పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 ml) ఫ్రూట్ బోరియమ్ ఎండు తెగులు: కార్బెండాజిమ్ తో డ్రెంచ్ చేయండి (లీటరు/1 గ్రా) పండు ఈగ: ఫెరమోన్ ట్రాప్లను ఉపయోగించండి. డెల్టా మిథ్రిన్ లీటరు/1ml పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సంప్రదించండి.
14	కోత	నాటిన 50-55 రోజులకి పళ్ళు కోతకి సిద్ధము అవుతాయి. 3-4 రోజులకి లేత కాయలను కోత కోయండి.
15	ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో బాగా మేనేజ్ చేసిన పంటకి 5-6 టన్నులు/ఎకరానికి దిగుబడి వస్తుంది.
17	స్టోర్ చేయడము	
18	చేయకూడనివి	సల్ఫర్ ఆధారిత రసాయనాలు ఉపయోగించకండి.
19	చేయవలసినవి	

గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.

மெழுகு பீர்க்கங்காய் - பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! நீங்கள் கிரிஸ்டல் குடும்பத்திலிருந்து சிறந்த மெழுகு பீர்க்கங்காய் விதை வகைகளில் ஒன்றைத் தேர்ந்தெடுத்துள்ளீர்கள். உயர்தர மெழுகு பீர்க்கங்காய் விதைகளை உற்பத்தி செய்வதில் கிரிஸ்டல் நிறுவனத்திற்கு உறுதியான அனுபவம் உள்ளது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. நுரை பீர்க்கங்காய் விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா சூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை..

மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை

கலப்பின மெழுகு பீர்க்கங்காய்	Hyb. **ககன், வினய் (இம்ப்.)**	**வினய், வினய் (KGP)**										
காலம்	90-100 DAS	100-110 DAS										
காரீப்	ஆம்	ஆம்										
ராபி	ஆம்	ஆம்										
வசந்த காலம்	ஆம்	ஆம்										
ஆதாரம்	போர்வெல்	போர்வெல்										

வானிலை சூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/ விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	பகலில் 30-35^{0}C வெப்பநிலை கொண்ட ஒரு நீண்ட வெப்ப காலம். 18-22^{0}C வரையிலான இரவு வெப்பநிலை வளர்ச்சி மற்றும் பழம் வைப்பதற்கு ஏற்றது. குறைந்தபட்ச வெப்பநிலை 18^{0}C கீழ் இருக்கக்கூடாது
2	நிலம். மண்	நீர் தேங்காத மணற்பாங்கான பசளை மற்றும் வண்டல் மண். மண்ணின் pH 5.5 முதல் 6.5 இருத்தல் நல்லது.
3	பருவம், விதைக்கும்/நடவு செய்யும் நேரம்	தெற்கு மற்றும் மத்திய இந்தியாவில் அக்டோபர்-நவம்பர் வரை. மகாராஷ்டிராவில் ஜனவரி-பிப்ரவரி/ஜூன்-ஜூலை. மலை பகுதிகளில் ஏப்ரல்-மே
4	விதை வீதம்	ஏக்கருக்கு 1.5-2.0 கிலோ
5	விதைத்தல்/நடுதல் முறை	கால்வாய் முறை/ அடுக்கு முறை
6	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். • விதைப்பு கால்வாய்களை உருவாக்குங்கள் • விதைப்பு கால்வாய்களில் உரங்களின் அடி அளவை போட்டு உரத்தை மூடி விடுங்கள் • விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்கள் முன் நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். • ஒரு மேட்டுக்கு இரண்டு விதையை ஊன்ற வேண்டும், விரைவான மற்றும் சிறந்த முளைத்தலுக்கு உடனடியாக லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும்.
7	இடைவெளி	வரிசை முதல் வரிசை வரை (கால்வாய்) 240-300 செமீ; தாவரம் முதல் தாவரம் வரை: 45 செமீ-நிலம்.150 செமீ. வரிசைகளுக்கு இடையில் 30 செமீ தாவரங்களுக்கு இடையில் மூங்கில் குச்சிகளை அடுக்கி செங்குத்தாக தொங்க விட வேண்டும்.
8	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	கிலோவிற்கு 2 மிலி வீதம் விதையை கௌச்சோ (இமிடோ) உடன் கலக்க வேண்டும்
9	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	• விதைப்பதற்கு முந்தைய அடி உரம் : .....30:40:40 கிலோ என்பிகே (NPK) • முதல் மேல் உரமிடுதல் விதைத்த 30 நாட்களுக்கு பின்: 30 கிலோ N • இரண்டாம் மேல் உரமிடுதல் முதல் நடவிற்கு பின் : 25 கிலோ N
10	பாசன அட்டவணை	மண்ணின் தன்மை பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்ச வேண்டும். 5-6 நாட்கள் இடைவெளியில் லேசான மற்றும் அடிக்கடி நீர் பாய்ச்ச வேண்டும். பூ, பழம் வைக்கும் நிலையில், வேர் பகுதியில் போதுமான ஈரப்பதம் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்.
11	களை நீக்கம்/ ஊடு பயிரிடுதல்	இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த 30 மற்றும் 60 நாட்களுக்குப் பிறகு மண்ணைக் குவித்திடுங்கள். கொடியைப் படர விடுதல் ஒரு நுணுக்கமான அம்சமாகும்
12	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	காய் வைக்கும் நிலையில் லிட்டருக்கு 1 கிராம் மல்டிபிளக்ஸை (Multiplex) மற்றும் பூ வைக்கும் நிலையில் லிட்டருக்கு 1 கிராம் நுண்ணூட்டத்தை தெளிக்க வேண்டும்
13	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அடிச்சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) இலை துளைப்பான்: அபாமெக்டின் 1.8% இசி (EC) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 மிலி), சிவப்பு பூசணி வண்டு: டெல்டாமெத்ரின் 5.56% w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) இலைப்பேன்கள் / செடிப்பேன்கள் : ஃப்ளோனிகாமிட் 50% WG (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) பியூசேரியம் வாடல் நோய்: கார்பன்டாசிம்-இல் முக்கி எடுங்கள் (லிட்டருக்கு 1 கிராம்) பழ ஈ: பெரோமோன் டிராப்களைப் பயன்படுத்துங்கள். டெல்டா மெத்ரின் லிட்டருக்கு 1 மிலி நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.
14	அறுவடை	விதைத்த 50-55 நாட்களுக்குப் பிறகு காய்கள் அறுவடைக்குத் தயாராக இருக்கும். 3-4 நாட்களுக்கு ஒருமுறை சதைப்பற்றுள்ள காய்களை அறுவடை செய்யுங்கள்.
15	எதிர்பார்க்கப்படும் மகசூல்	சிறந்த சூழ்நிலைகள் மற்றும் நல்ல பராமரிப்பின் கீழ், பயிர் ஏக்கருக்கு 5-6 டன் மகசூல் தரும்.
17	சேமிப்பகம்	
18	செய்யக்கூடாதவை	சல்பர் அடிப்படையிலான ரசாயனங்களைப் பயன்படுத்த வேண்டாம்.
19	செய்ய வேண்டியவை	
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.	
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.	

ਸਪੰਜ ਲੌਕੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਪੰਜ ਲੌਕੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਦੀਆਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਕਿਸਮ ਚੁਣੀ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੋਲ ਉੱਚ-ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਸਪੰਜ ਲੌਕੀ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ।
ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੀ ਸਪੰਜ ਲੌਕੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੂਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਰੰਗ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਸਪੰਜ ਲੌਕੀ	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਗਗਨ' ਵਿਨਯ (ਇੰਪ.)	ਵਿਨਯ' ਵਿਨਯ (ਕੇਜੀਪੀ)										
ਮਿਆਦ	90-100 DAS	100-110 DAS										
ਖ਼ਰੀਦ	ਹਾਂ	ਹਾਂ										
ਰੁਝੀ	ਹਾਂ	ਹਾਂ										
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਹਾਂ	ਹਾਂ										
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ										

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤਰ/ਖੇਤੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਦਿਨ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ 30-350C ਅਤੇ ਰਾਤ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ 18-220C ਦੇ ਨਾਲ ਲੰਬੇ ਸਮੇਂ ਤੱਕ ਗਰਮ ਮੌਸਮ ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਵਾਧੇ ਅਤੇ ਫਲ ਦੇਣ ਲਈ ਅਨੁਕੂਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਘੱਟੋ-ਘੱਟ ਤਾਪਮਾਨ 180C ਤੋਂ ਘੱਟ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।
2	ਜ਼ਮੀਨ। ਮਿੱਟੀ	ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਰੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਅਤੇ ਜਲੋੜ ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ। ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ Ph 5.5 ਤੋਂ 6.5 ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ, ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਆਦਰਸ਼ ਮਿੱਟੀ ਦਾ pH 5.5-6.5 ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਵਿੱਚ ਜਨਵਰੀ-ਫਰਵਰੀ-ਜੂਨ-ਜੁਲਾਈ। ਪਹਾੜੀ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਅਪ੍ਰੈਲ-ਮਈ
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ	1.5-2.0 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ
5	ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ	ਨਹਿਰ ਰਾਹੀਂ / ਬੰਮ੍ਹ ਲਗਾ ਕੇ
6	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	10 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਪਾਓ ਅਤੇ ਹੱਲ ਚਲਾ ਕੇ ਇਸਨੂੰ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾਓ। * ਬੀਜ ਬੀਜਣ ਲਈ ਚੈਨਲ ਬਣਾਓ * ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਚੈਨਲਾਂ ਵਿੱਚ ਖਾਦ ਨੂੰ ਮੁੱਢਲੀ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਪਾਓ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਨਾਲ ਢੱਕ ਦਿਓ। * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। * ਪ੍ਰਤੀ ਟਿੱਲਾ ਦੋ ਬੀਜ ਬੀਜੋ, ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਪੁੰਗਰਣ ਲਈ ਤੁਰੰਤ ਹਲਕੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।
7	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਲਾਈਨ ਤੋਂ ਲਾਈਨ (ਕਨਾਲ) 240-300 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ; ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟਾ: 45 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ-ਜ਼ਮੀਨ। ਲਾਈਨ ਦੇ ਵਿੱਚ 150 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਵਿੱਚ 30 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ-ਬਾਂਸ ਦੇ ਡੰਡਿਆਂ ਨਾਲ ਬੰਨ੍ਹ ਕੇ ਸਿੱਧਾ ਲਗਾਇਆ ਹੋਇਆ।
8	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	Gaucho (Imido) 2 ਮਿ.ਲੀ./ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਲ ਬੀਜਾਂ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕਰੋ।
9	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	* ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ: 30:40:40 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ NPK * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਪਹਿਲੀ ਟਾਪ ਡ੍ਰੈਸਿੰਗ: 30 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ * ਪਹਿਲੀ ਵਾਢੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੂਜੀ ਟਾਪ ਡ੍ਰੈਸਿੰਗ: 25 ਕਿਲੋ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ
10	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। 5-6 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰਨਾ ਸਹੀ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ। ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਜੜ੍ਹ ਵਾਲੇ ਖੇਤਰ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਕਾਫ਼ੀ ਨਮੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
11	ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ/ਅੰਤਰ-ਫਸਲੀ ਖੇਤੀ	ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਖਾਹ ਕੱਢਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ ਦਿਓ। 30 ਅਤੇ 60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱਟੀ ਭਰ ਦਿਓ। ਵੇਲ ਨੂੰ ਸਹੀ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਉਗਾਉਣਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
12	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਫਲਾਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਦੌਰਾਨ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਮਲਟੀਪਲੈਕਸ ਅਤੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ
13	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਡਾਊਨੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਪੌਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਅਬਾਮੇਕਟਿਨ 1.8% EC (0.5-1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਰੈੱਡ ਪੰਪਕਿਨ ਬੀਟਲ ਲਈ: ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56 % w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਥ੍ਰਿਪਸ/ਏਫਿਡ ਲਈ: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਫਿਊਜ਼ੇਰੀਅਮ ਵਿਲਟ ਰੋਗ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕਾਰਬੈਂਡਾਜ਼ਿਮ (1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਨਾਲ ਕਰੋ ਫਲਾਂ ਦੀ ਮੱਖੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਫੇਰੋਮੋਨ ਜਾਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਡੈਲਟਾਮੇਥ੍ਰੀਨ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।
14	ਵਾਢੀ	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 50-55 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਫਲ ਵਾਢੀ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। 3-4 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਨਰਮ ਫਲ ਤੋੜੋ।
15	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਸਹੀ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ, ਇੱਕ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਫਸਲ 5-6 ਟਨ/ਏਕੜ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ।
17	ਸਟੋਰੇਜ	
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਸਲਫਰ-ਅਧਾਰਤ ਰਸਾਇਣਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਾ ਕਰੋ।
19	ਕੀ ਕਰੋ	
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

ঝিঙে চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট ঝিঙের বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের ঝিঙে বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের ঝিঙে বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদ্গম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।
অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড ঝিঙে	হাইব্রিড. গগন, ভিনয় (ইংপ.)	ভিনয়, ভিনয় (কেজীপী)										
সময়সীমা	90-100 DAS	100-110 DAS										
খরিফ	হ্যাঁ	হ্যাঁ										
রবি	হ্যাঁ	হ্যাঁ										
বসন্ত	হ্যাঁ	হ্যাঁ										
সেচের উৎ	বোরওয়েল	বোরওয়েল										

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার উপযোগিতা/ কৃষি-জলবায়ু জোন	30-350সেন্টিগ্রেড তাপমাত্রার দিন সহ একটি দীর্ঘকালীন সময়কাল। রাতের তাপমাত্রা 18-220সেন্টিগ্রেড বিকাশ এবং ফল সেটের জন্য ভালো। ন্যূনতম তাপমাত্রা 180সেন্টিগ্রেডের কম হওয়া উচিং নয়
2	জমি। মাটি	ভালো নিকাশীযুক্ত বালুকাময় মাটি এবং তীরবর্তী মাটি। মাটির 5.5 থেকে 6.5 Ph আদর্শ।
3	ঋতু, বপন/ রোপণের সময়	দক্ষিণ এবং মধ্য ভারতে অক্টোবর-নভেম্বর। মহারাষ্ট্রে জানুয়ারি-ফেব্রুয়ারি-জুন-জুলাই। পাহাড়ি এলাকায় এপ্রিল-মে
4	বীজের হার	1.5-2.0 কেজি/ একর
5	বপন/রোপণের পদ্ধতি	নালা পদ্ধতি/ খুঁটি দেওয়ার পদ্ধতি
6	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটি প্রস্তুতির জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগ করুন এবং তারপরে হ্যারো ব্যবহার করে মাটির সঙ্গে ভালোভাবে মিশিয়ে দিন। * বীজ বপনের জন্য নালা তৈরি করা * বীজ বপনের নালায় বেসাল ডোজ প্রয়োগ করুন এবং সার ঢেকে দিন * বীজ বপনের দুই দিন আগে মাঠে জল দিন।
7	ফাঁক	সারি থেকে সারি (নালা) 240-300সেন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 45সেন্টিমিটার-মাটি। 150 সেন্টিমিটার। সারির মধ্যে বাঁশের খুঁটি দিয়ে টেঁক দিয়ে উল্লম্বভাবে 30 সেন্টিমিটারের মধ্যে
8	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজকে গাউচো (ইমিডো) 2 মিলিলিটার/কেজি প্রক্রিয়াজাত করা হয়
9	জৈব এবং রাসায়নিক সার	* বপনের আগে বেসাল ডোজ: 30:40:40 কেজি NPK * বপনের 30 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 30কেজি N * প্রথম তোলার পর দ্বিতীয় শীর্ষ ড্রেসিং: 25 কেজি N
10	সেচের সময়সূচী	মাটির ধরনের উপর নির্ভর করে মাঠে সেচ করুন। 5-6 দিনের ব্যবধানে একবার হালকা এবং ঘন ঘন সেচ করা আদর্শ। ফুল ফোটার এবং ফল ধরার সময় বিশেষভাবে মূল এলাকায় পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত করুন।
11	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য চাষ	দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামুক্ত রাখুন। বপনের 30 এবং 60 দিন পর মাটি তুলুন। মোদ পরিচালনা করা একটি গুরুত্বপূর্ণ প্রক্রিয়া
12	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	ফল ধরার পর্যায়কালে মাল্টিপ্লেক্স 1 গ্রাম/লিটার ছিটান ফুল ফোটার সময় 1 গ্রাম/লিটার মাইক্রোনিউট্রিয়েন্ট
13	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাউডারি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) লিফ মাইনার: আবামেক্টিন 1.8% EC (0.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার), লাল কুমড়োর পোকা: ডেল্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) থ্রিপস /এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) ফিউজেরিয়াম উইল্ট: কারবেনডাজিম দিয়ে ড্রেঞ্চ করুন (1গ্রাম/লিটার) ফলের মাছি: ফেরোমোন ট্র্যাপ ব্যবহার করুন। ডেল্টা মেথ্রিন 1মিলিলিটার/লিটার ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।
14	ফসল কাটা	বপনের 50-55 দিন পর ফসল কাটার জন্য ফল প্রস্তুত। 3-4 দিনে একবার নরম ফলগুলি কাটুন।
15	প্রত্যাশিত ফলন	সঠিকভাবে পরিচালিত ফসল থেকে আদর্শ পরিস্থিতিতে 5-6 t/একর ফলন পাওয়া যায়।
17	সংরক্ষণ	
18	করবেন না	সালফার ভিত্তিক রায়য়নিক ব্যবহার করবেন না।
19	করবেন	
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।	

ସ୍ୱଞ୍ଚ୍ ଲାଉ-ଉନ୍ନତ କୃଷି ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ ପରିବାରର ସର୍ବୋତ୍ତମ ସ୍ୱଞ୍ଚ ଲାଉ ମଞ୍ଜି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉଚ୍ଚ ମାନର ସ୍ୱଞ୍ଚ ଲାଉ ମଞ୍ଜି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ବ୍ୟବହାର କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ସ୍ୱଞ୍ଚ୍ ଲାଉ ମଞ୍ଜି ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ଏବଂ ଜୈବିକ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉନ୍ନତ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ।
ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ସ୍ୱଞ୍ଚ୍ ଲାଉ ହାଇବ୍ରିଡ୍	Hyb. ଗଗନ, ବିନୟ (Imp.)	ବିନୟ, ବିନୟ (KGP)										
ଅବଧି	90-100 DAS	100-110 DAS										
ଖରିଫ	ହଁ	ହଁ										
ରବି	ହଁ	ହଁ										
ବସନ୍ତ	ହଁ	ହଁ										
ଜଳସେଚନର ଉତ୍ସ	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍										

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ଦିନର ତାପମାତ୍ରା 30-35°C। 18-22°C ରାତିର ତାପମାତ୍ରା ସହିତ ଏକ ଲମ୍ବା ଉଷ୍ମ ଅବଧି ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଫଳ ଗଠନ ପାଇଁ ଭଲ। ସର୍ବନିମ୍ନ ତାପମାତ୍ରା 18 0ସେଲ୍ସିୟସରୁ କମ୍ ହେବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ।
2	ଭୂମି ଓ ମାଟି	ଭଲ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହେଉଥିବା ବାଲିଆ ଦୋରସା ଏବଂ ପଡିଆ ମାଟି। ମାଟିର ପିଏଚ 5.5 ରୁ 6.5 ଆଦର୍ଶ ରହିବ।
3	ଋତୁ, ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସମୟ	ଦକ୍ଷିଣ ଏବଂ ମଧ୍ୟ ଭାରତରେ ଅକ୍ଟୋବର-ନଭେମ୍ବର ମାସରେ। ମହାରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଜାନୁଆରୀ-ଫେବୃଆରୀ-ଜୁନ-ଜୁଲାଇ .ପାହାଡ଼ି ଅଞ୍ଚଳରେ ଏପ୍ରିଲ-ମେ
4	ମଞ୍ଜି ଦର	ଏକର ପ୍ରତି 1.5-2.0 କିଲୋଗ୍ରାମ
5	ବୁଣା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	କେନାଲ ପଦ୍ଧତି / ଷ୍ଟେକିଂ ପଦ୍ଧତି ଦ୍ୱାରା
6	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	10 ଟନ୍ ପଚିଯାଇଥିବା ଏଫ.ୱାଇ.ଏମ୍. ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ତା'ପରେ ମାଟିରେ ମିଶ୍ରଣ ପାଇଁ ହଳ କରନ୍ତୁ। * ବିହନ କେନାଲ ତିଆରି କରନ୍ତୁ * ବିହନ କେନାଲରେ ସାରର ମୂଳ ମାତ୍ରା ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ସାର ଘୋଡାଇ ଦିଅନ୍ତୁ। * ବୁଣିବାର ଦୁଇ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। * ପ୍ରତି ପାହାଡ଼ରେ ଦୁଇଟି ବିହନ ବୁଣାନ୍ତୁ, ଶୀଘ୍ର ଏବଂ ଭଲ ଅଙ୍କୁର ପାଇଁ ତୁରନ୍ତ ହାଲୁକା ଜଳସେଚନ ଦିଅନ୍ତୁ।
7	ବ୍ୟବଧାନ	ଧାଡିରୁ ଧାଡି (କେନାଲ) 240-300 ସେମି ସେମି; ଗଛରୁ ଗଛ: 45 ସେମି-ଭୂମି, ଧାଡି ମଧ୍ୟରେ 150 ସେମି, ଗଛ ମଧ୍ୟରେ 30 ସେମି-ବାଉଁଶ କିଳାରେ ବନ୍ଧା ଏବଂ ଭୂଲମ୍ବ ଭାବରେ ଝୁଲନ୍ତା ଅବସ୍ଥାରେ ଲଗାଯାଇପାରିବ।
8	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	ବିହନକୁ ଗାଉଚୋ (ଇମିଡୋ) 2 ମିଲି/କିଗ୍ରା ସହିତ ବିଶୋଧନ କରାଯାଏ।
9	ଖତ ଏବଂ ସାର	* ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ମୂଳ ମାତ୍ରା : 30:40:40 କିଲୋଗ୍ରାମ ଏନପିକେ (NPK) * ବୁଣିବାର ୩୦ ଦିନ ପରେ ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂ: 30 କିଲୋଗ୍ରାମ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ * ପ୍ରଥମ ଥର ପାଇଁ ବାଛିବା ପରେ ଦ୍ୱିତୀୟ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂ : 25 କିଲୋଗ୍ରାମ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ
10	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। 5-6 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରମ୍ବାର ଜଳସେଚନ କରିବା ଉପଯୁକ୍ତ ଅଟେ। ବିଶେଷକରି ଫୁଲ ଫୁଟିବା ସମୟରେ, ମୂଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଆର୍ଦ୍ରତା ବଜାୟ ରଖିବା ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ।
11	ଘାସ ବାଛିବା/ଆନ୍ତଃଚାଷ କରିବା	ଦୁଇ ଥର ହାତରେ ଜମିରୁ ଘାସ ବାଛିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ରଖନ୍ତୁ। ବୁଣିବାର 30 ଏବଂ 60 ଦିନ ପରେ ମାଟି ଉଠାଇବା ଦରକାର। ଲତାକୁ ଜଗିବା ଏକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଦିଗ ଅଟେ
12	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ଫଳ ଦେବା ଅବସ୍ଥାରେ ମଲ୍ଟିପ୍ଲେକ୍ସ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର, ଫୁଲ ଫୁଟିବା ସମୟରେ ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ।
13	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ପାଉଡର ମିଲଡିଉ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ 25% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ଡାଉନି ମିଲଡ୍ୟୁ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ 25% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ପତ୍ର ଖନନକାରୀ: ଆବାମେକ୍ଟିନ୍ 1.8% ଇସି (EC) (0.5 ରୁ 1 ମିଲି/ଲିଟର), ଲାଲ କଖାରୁ ପୋକ: ଡେଲଟାମେଥ୍ରିନ୍ 5.56% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ (w/w) ଏସସି(SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ଥ୍ରିପ୍ସ / ଏଫଡ୍ସ : ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ୍ 50% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଫୁସାରିଅମ୍ ୱିଲ୍ଟ: କାର୍ବେଣ୍ଡାଜିମ୍ (1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ସହିତ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ ଫଳ ମାଛି: ଫେରୋମୋନ୍ ଫାଶ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ। ଡେଲ୍ଟା ମିଥ୍ରିନ୍ 1 ମିଲି/ଲିଟର କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।
14	ଅମଳ	ବୁଣିବା ପରେ 50-55 ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ଫଳ ଅମଳ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଥାଏ। ପ୍ରତି 3-4 ଦିନରେ ଥରେ କଅଁଳ ଫଳ ଅମଳ କରନ୍ତୁ।
15	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଏକ ଭଲ ଭାବରେ ପରିଚାଳିତ ଫସଲରୁ 5-6 ଟନ୍/ଏକର ଉତ୍ପାଦନ ହୋଇଥାଏ।
17	ସଂରକ୍ଷଣ	
18	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ସଲଫର୍ ଆଧାରିତ ରାସାୟନିକ ପଦାର୍ଥ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ।
19	କରନ୍ତୁ	
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

CRYSTAL Inspiring Growth | I&B Seeds INDUS SEEDS | SEED PLANT SCIENCE

স্পঞ্জ গার্ড- অনুশীলনৰ পেকেট

অভিনন্দন! আপুনি ক্রিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উৎকৃষ্ট স্পঞ্জ কাডাৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ স্পঞ্জ ক'ৰ্ড বীজ উৎপাদনত ক্রিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্রিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্রিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্রিষ্টেলৰ স্পঞ্জ গাৰ্ডৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অঙ্কুৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে। অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্ৰীড স্পঞ্জ কাডাৰ	হাইব্রিড. গগন, ভিনয (ইংপ.)	ভিনয, ভিনয (কেজীপী)			
সময়কাল	90-100 DAS	100-110 DAS			
খাৰিফ	হয়	হয়			
ৰাবি	হয়	হয়			
বসন্ত	হয়	হয়			
জলসিঞ্চনৰ উৎস	ব'ৰৱেল	ব'ৰৱেল			

অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্ৰমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কাৰ্য্য/অনুশীলন	কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/ কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	দীঘলীয়া উষ্ণ সময় 30-350°C দিনত, 18-220°C ৰাতিৰ তাপমাত্ৰা বৃদ্ধি আৰু ফলৰ বাবে ভাল। নিম্নতম তাপমাত্ৰা 180°Cৰ তলত হ'ব নালাগে।
2	ভূমি মাটি	ভালদৰে খালী বালিৰ মাটি আৰু জলাশয়ৰ মাটি। মাটিৰ ph 5.5ৰ পৰা 6.5 আদৰ্শ।
3	ঋতু, বীজ সিঁচাৰ/ৰোপণৰ সময়	অক্টোবৰ-নৱেম্বৰ দক্ষিণ আৰু মধ্য ভাৰতত। জানুৱাৰী-ফেব্ৰুৱাৰী-জুন-জুলাই মহাৰাষ্ট্ৰত । এপ্ৰিল - মে' পাহাৰীয়া অঞ্চলত
4	বীজৰ হাৰ	1.5-2.0 কেজি/ একৰ
5	বীজ সিঁচা/ৰোপণ পদ্ধতি	কেনেল পদ্ধতি/ ষ্টিকিং পদ্ধতিৰ দ্বাৰা
6	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিঘ্নিত FYM প্ৰয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাটিত মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰৰুইং কৰক। * বীজ সিঁচাৰ পথ তৈয়াৰ কৰক * বীজ সিঁচাৰ পথাৰত মৌলিক পৰিমাণৰ সাৰ প্ৰয়োগ কৰক আৰু সাৰক ঢাকি ৰাখক * বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। * প্ৰতিডাল বীজত দুটাকৈ ডাবল দিয়ক, দ্ৰুত আৰু ভাল বীজানুৰ বাবে তৎক্ষণাৎ হালধীয়া জলসিঞ্চন দিয়ক
7	ব্যৱধান	শাৰীৰে শাৰীলৈ (কেনেল) 240-300 ছেঃমিঃ; গছ-গছনি: 45 ছেঃমিঃ মাটি-150 ছেঃমিঃ শাৰীৰে শাৰী 30 ছেঃমিঃ গছ-গছনিৰ মাজত বাঁহ-গছনিৰ দ'ম ব্যৱহাৰ কৰা হয় আৰু উল্লম্বভাৱে ট্ৰে'ল কৰা হয়
8	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজ গাউচো (ইমিডো) 2 মিলি/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।
9	সাৰ আৰু সাৰুৱা পদাৰ্থ	* বীজ সিঁচাৰ আগতে প্ৰাথমিক পালি: 30:40:40 কেজি NPK * বীজ সিঁচাৰ 30 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীৰ্ষ কাপোৰ: 30 কেজি N * প্ৰথম পিকৰ পিছত দ্বিতীয় টপ ড্ৰেছিং: 25 কেজি N
10	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	মাটিৰ প্ৰকাৰৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। 5-6 দিনৰ অন্তৰালত এবাৰ হালধীয়া আৰু সঘনাই জলসিঞ্চন কৰাটো আদৰ্শ। বিশেষভাৱে ফুল ফলৰ সময়ত মূল অঞ্চলত পৰ্যাপ্ত আৰ্দ্ৰতা নিশ্চিত কৰক।
11	অপতৃণ/ আন্তঃখেতি	দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। বীজ সিঁচাৰ পিছত 30 আৰু 60 দিনত মাটি লগোৱা। দ্ৰাক্ষালতাত পৰিচালনা কৰাটো এক গুৰুত্বপূৰ্ণ দিশ
12	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰক স্প্ৰে	ফলনশীলতা পৰ্যায়ত স্প্ৰে মাল্টিপ্লেক্স 1 গ্ৰাম/লিটাৰ ফুলনশীলতা পৰ্যায়ত ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি 1 গ্ৰাম/লিটাৰ
13	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	পাউডাৰী মিল্ডিউ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লক্সিষ্ট্ৰবিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) ডাউনি মিল্ডিউ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লক্সিষ্ট্ৰবিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) পাতৰ খনিজ: এবামেক্টিন 1.8% EC(0.5ৰ পৰা 1 মিলি/লিটাৰ), ৰঙা কুমলীয়া ভেকুলী: ডেলটামেথ্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) থ্ৰিপছ /এফিড : ফ্লনিকমিড 50 % WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) ফুচেৰিয়াম উইল্ট: কাৰ্বেণ্ডাজিমৰ সৈতে ড্ৰেঞ্চ কৰক (1গ্ৰাম/লিটাৰ) ফলৰ মাখি: ফেৰ'মন ফান্দ ব্যৱহাৰ কৰক। ডেল্টা মিথ্ৰিন 1 মিলি/লিটাৰ পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
14	শস্য চপোৱা	বীজ সিঁচাৰ 50-55 দিনৰ পিছত ফল সংগ্ৰহ কৰিবলৈ সাজু হয়। প্ৰতি 3-4 দিনৰ মূৰে মূৰে কোমল ফলসমূহ সংগ্ৰহ কৰক।
15	প্ৰত্যাশিত উৎপাদন	ভালদৰে পৰিচালিত শস্যৰ পৰা আদৰ্শ পৰিস্থিতিত 5-6 টন/একৰ ফলন লাভ কৰে।
17	সংৰক্ষণ	
18	নকৰিবা	ছালফাৰ ভিত্তিক ৰাসায়নিক ব্যৱহাৰ নকৰিব।
19	কৰিবা	
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	